अधर में लटके दो एनएच दूसरी एजेंसियां बनाएंगी

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

एजेंसी की लापरवाही से अधर में लटके राज्य के दो महत्वपूर्ण उच्च पथों (एनएच) का निर्माण दूसरी एजेंसियों से कराया जाएगा। एनएच 106 वीरपुर-बिहपुर व एनएच 104 शिवहर-सीतामढ़ी के लिए काम कर रहीं एजेंसियों की खस्ताहाल के बाद यह निर्णय लिया गया है। मौजूदा एजेंसियां ही केंद्र सरकार ने दूसरी एजेंसियों का नाम सुझाएंगी।

गौरतलब है कि 106 वही सड़क है जिसकी जर्जर स्थिति को लेकर पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पिछले दिनों सख्त टिप्पणी की थी। दरअसल, बीते दिनों सड़क परियोजनाओं में देरी होने पर पथ निर्माण विभाग ने एजेंसियों को नोटिस भेजी थी। एजेंसियों की वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण विभाग ने केंद्र सरकार से कहा था कि किसी और एजेंसियों से दोनों एनएच का काम कराया जाए। राज्य के प्रस्ताव को केंद्र ने स्वीकार कर लिया। दोनों एंनएच का निर्माण कर रही एजेंसियों को कहा है कि वह किसी और एजेंसी को नामित करें ताकि आधी-अधूरी सड़कों का निर्माण पूरा किया जा सके।

जर्जर हालत

- राष्ट्रीय उच्चपथ 104 और 106 की एजेंसियां हुई दिवालिया
- 106 को लेकर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने की थी टिप्पणी

एनएच 106 का निर्माण आईएल एफएस कर रही है। दो साल पहले एजेंसी को 106 किमी लंबी इस सड़क को बनाने का जिम्मा दिया गया। इस बीच एजेंसी की वित्तीय स्थिति खराब हो गई। मधेपुरा और सुपौल जिले की सीमा क्षेत्र में बनने वाली इस सड़क का जमीन अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। एनएच 104 कुल 219 किलोमीटर है। इसमें मात्र 66 किलोमीटर ही बेहतर स्थिति में है। इसका जीर्णोद्धार करने का जिम्मा चरणवार तीन एजेंसियों को दिया गया। इसके एक हिस्से सीतामढ़ी-शिवहर के बीच सड़क निर्माण का जिम्मा सुनील हाईटेक को दिया गया।